अनुसंधान – २००० – १७

संपादक - विजयशीलचन्द्रसूरि

मुख्य टाइटल

निवेदन

अनुक्रम

Love Or Leave ? Bhartr-Hari's (?) Dilemma – Ashok Aklujkar -- 1
Alliteration of the Word-initial consonant in Modern Gujarati Compounds – H. C. Bhayani -- 32
Some folk-etymologies in the Anuyogadvara-sutra – H. C. Bhayani -- 43
Comparative Study of the Language of the Acaranga and the Isibhasiyaim both edited by Prof. Schubrig – K. R. Chandra -- 47
Historio-Cultural Data as Available from Samaraicca kaha – Rashesh Jamindar -------------- 52
Srimad Rajchandra on the Necessity of a Direct Living Sad-guru – N. M. Kansara ----------- 66
Some Aspects of the Kaumudimitrananda – V. M. Kulkarni -- 75
On Sthatus ca ratham in the Rgveda 1.70.7 - M. A. Mehendale -- 89
The Jaina Universe in a Profile of Cosmic Man – Suzuko Ohira ---------------------------------- 101
Sankaracarya and the Taittiriyopanisad (with reference to his bhasyas) – Vijay Pandya -- 110
Jain Biology – J. C. Sikdar -- 122

जयवंतसूरिकृत बार भावना सज्झाय – सं. जयंत कोठारी -- १४२

सिंहावलोकनो-१ – मधुसूदन ढांकी -- १६०

जैन सन्ध्याविधि – सं. मुनि जिनसेनविजय -- १६६

विहंगावलोकन – मुनि भुवचन्द्र -- १६८

शुभतिलकोपाध्यायरचित गायत्रीमन्त्र वृत्ति – सं. मुनि रत्नकीर्तिविजय ---------------------------- १७३

लोकतत्त्वनिर्णय – एक समीक्षात्मक अध्ययन – जितेन्द्र शाह -- १९०

जैन परंपरामां परिचारणाभेदविचार-एक तुलनात्मक नोंध – नगीन जी. शाह ---------------------- २००

कौशिक-एक अप्रसिद्ध वैयाकरण – नीलाञ्जना सु. शाह -- २०१

पत्रचर्चा – मधुसूदन ढांकी -- २१७

समारोह-समाचार -- २१९

मैं कभी भूलूँगा नहीं – राजाराम जैन -- २२२

भारतीय तत्त्वविद्याना अजोड विद्वानने स्मरणांजलि – विजयशीलचन्द्रसूरि ------------------------- २२६

स्व. पंडितप्रवर दलसुखभाई मालवणियानी साहित्योपासना – जितेन्द्र शाह ---------------------- २३३

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org